



GENERAL / FINANCIAL BANKING AWARENESS & STATIC GK

Money Market

SBI PO 2021 | IBPS PO & CLERK 2021

DAY - 23

1:00 PM





WHAT IS MONEY MARKET?

The money market is a component of the economy which provides short-term funds. The money market deals in short-term loans, generally for a period of less than or equal to 365 days. There are certain organization in the financial market which deal in money while keeping a synch. This institution combined together are called Money Market.

मुद्रा बाजार अर्थव्यवस्था का एक घटक है जो अल्पकालिक धन प्रदान करता है। मुद्रा बाजार अल्पकालिक ऋणों में सौदा करता है, आमतौर पर 365 दिनों से कम या उसके बराबर की अवधि के लिए। वित्तीय बाजार में कुछ संगठन ऐसे होते हैं जो एक तालमेल रखते हुए पैसे का सौदा करते हैं। इस संस्था को मिलाकर मुद्रा बाजार कहा जाता है।



We also can say the trade in short term loans between banks and other financial institutions. It is important part of the economy which provides short term fund. The Money Market is the part of financial market which deals in the borrowing and lending of short term loans.

हम बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों के बीच अल्पकालिक ऋणों में व्यापार भी कह सकते हैं। यह अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है जो शॉर्ट टर्म फंड प्रदान करता है। मुद्रा बाजार वित्तीय बाजार का वह भाग है जो अल्पकालीन ऋणों को उधार लेने और उधार देने का कार्य करता है।



MONEY MARKET INSTRUMENTS IN INDIA

The money market's primary players are the Reserve Bank of India (RBI), commercial banks and financial institutions like LIC, etc., The main money market instruments are Treasury bills, commercial papers, certificate of deposits, and call money.

मुद्रा बाजार के प्राथमिक खिलाड़ी भारतीय रिजर्व बैंक (RBI), वाणिज्यिक बैंक और LIC, आदि जैसे वित्तीय संस्थान हैं, मुख्य मुद्रा बाजार के साधन ट्रेजरी बिल, वाणिज्यिक पत्र, जमा प्रमाणपत्र और कॉल मनी हैं।



PROMISSORY NOTE:

It refers to as a note payable is a legal instrument. In which one party make promises in writing to pay a determinate sum of money to the other (the payee) either at fixed determinable future time or on demand of the payee under specific terms. The terms of a note usually include the principal amount. The interest rate if any, the parties, the date, the terms of repayment (which could include interest) and the maturity date.



यह एक देय नोट के रूप में संदर्भित करता है जो एक कानूनी साधन है। जिसमें एक पक्ष दूसरे (प्राप्तकर्ता) को निश्चित निश्चित भविष्य के समय पर या विशिष्ट शर्तों के तहत आदाता की मांग पर एक निश्चित राशि का भुगतान करने के लिए लिखित रूप में वादा करता है। नोट की शर्तों में आमतौर पर मूलधन शामिल होता है। ब्याज दर, यदि कोई हो, पक्ष, तिथि, चुकौती की शर्तें (जिसमें ब्याज शामिल हो सकता है) और परिपक्वता तिथि।



CALL MONEY MARKET

- This is a method by which Banks lend or borrow money from each other.
- No Collateral security is needed, but interest need to be paid.
- यह एक ऐसा तरीका है जिसके द्वारा बैंक एक दूसरे से पैसे उधार लेते हैं या उधार लेते हैं।
- कोई संपार्थिक सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है, लेकिन ब्याज का भुगतान करने की आवश्यकता है।

Eligible participants are-

- **Scheduled Commercial Banks (excluding Local Area Banks);**
- **Payment Banks; Small Finance Banks; Regional Rural Banks;**
- **State Co-operative Banks, District Central Co-operative Banks and Urban Co-operative Banks (hereinafter Co-operative Banks); and**
- **Primary Dealers. (Got approval in 1995)**
- अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (स्थानीय क्षेत्र के बैंकों को छोड़कर);
- भुगतान बैंक; लघु वित्त बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक;
- राज्य सहकारी बैंक, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक और शहरी सहकारी बैंक (इसके बाद सहकारी बैंक); तथा
- प्राथमिक डीलर।



CALL MONEY MARKET

Call Money

Under call money market, funds are transacted on an overnight basis.

Notice Money

Under notice money market, funds are transacted for a period between 2 days and 14 days.

Term Money

Under term money market, funds are transacted for a period of more than 15 to 364 days.

Treasury bills

- Treasury bills or T-bills which are money market instruments, are short term debt instruments issued by the Government of India and are presently issued in three tenors namely 91 day, 182 day and 364 day.
- Treasury bills are zero coupon securities and pay no interest.
- They are issued at a discount and redeemed at the face Value at maturity.
- Treasury bills are short term up to one year.
- Min value of T-Bill is Rs 25000 or its multiple.
- They are auctioned by RBI at regular intervals and issued at a discount to face value.



- ट्रेजरी बिल या टी-बिल जो मुद्रा बाजार के साधन हैं, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अल्पकालिक ऋण साधन हैं और वर्तमान में तीन अवधियों में जारी किए जाते हैं, अर्थात् 91 दिन, 182 दिन और 364 दिन।
- ट्रेजरी बिल शून्य कूपन प्रतिभूतियां हैं और कोई ब्याज नहीं देते हैं।
- ट्रेजरी बिल एक वर्ष तक के अल्पकालिक होते हैं। सरकार के उधार उपकरण। भारत का जो उनके अल्पकालिक अधिशेष धन को सक्षम बनाता है। उन्हें नियमित अंतराल पर आरबीआई द्वारा नीलाम किया जाता है और अंकित मूल्य पर छूट पर जारी किया जाता है।

Why Does the Government Issue Treasury Bills?

A short term treasury bill helps the government raise funds to meet its current obligations, which are in excess of its annual revenue generation. Its issue is aimed at reducing total fiscal deficit in an economy, and also in regulating the total currency in circulation at any given point of time.

एक अल्पकालिक ट्रेजरी बिल सरकार को अपने मौजूदा दायित्वों को पूरा करने के लिए धन जुटाने में मदद करता है, जो कि इसकी वार्षिक राजस्व सृजन से अधिक है। इसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था में कुल राजकोषीय घाटे को कम करना है, और किसी भी समय परिसंचरण में कुल मुद्रा को विनियमित करना है।



COMMERCIAL PAPERS:

Commercial Papers are negotiable short term unsecured notes with fixed maturities, Issued by a financial organization.

These are generally sold on discount basis. Organization can issue Commercial Paper either directly or through banks or merchant banks.

MINIMUM- 7 DAYS

MAXIMUM- 364 DAYS

Limit- Min – 5 lakh

Max- No limit



Mahendra's

FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : **E15031**

वाणिज्यिक पत्र निश्चित परिपक्वता के साथ परक्राम्य अल्पकालिक असुरक्षित नोट हैं, जो एक वित्तीय संगठन द्वारा जारी किए जाते हैं। ये आम तौर पर छूट के आधार पर बेचे जाते हैं। संगठन वाणिज्यिक पत्र या तो सीधे या बैंकों या मर्चेन्ट बैंकों के माध्यम से जारी कर सकता है।
न्यूनतम- 7 दिन अधिकतम-364 दिन

CERTIFICATES OF DEPOSITS:

Certificates of Deposits are issued by banks and financial institutions. This instrument was first time allowed in India in 1989.

A Certificate of Deposits is a negotiable promissory note, secured and short term of up to a year. Minimum days of Certificates of Deposits issued by a bank.

Minimum-7 Days.

Maximum-364 Days.

जमा प्रमाणपत्र बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा जारी किए जाते हैं। इस लिखत को भारत में पहली बार 1989 में अनुमति दी गई थी। जमा प्रमाणपत्र एक परक्राम्य वचन पत्र है, जो सुरक्षित और एक वर्ष तक की अल्पावधि है। बैंक द्वारा जारी किए गए जमा प्रमाणपत्रों की न्यूनतम राशि। न्यूनतम -7 दिन। अधिकतम-364 दिन।



NEGOTIABLE INSTRUMENT:

According to Section 13 of the Negotiable Instrument Act 1881.

A negotiable instrument is a document guaranteeing the payment of a specific amount of money, either on demand, or at a set time, whose payer is usually named on the document.

परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 13 के अनुसार।

एक परक्राम्य लिखत एक दस्तावेज है जो एक विशिष्ट राशि के भुगतान की गारंटी देता है, या तो मांग पर, या एक निर्धारित समय पर, जिसका भुगतानकर्ता आमतौर पर दस्तावेज़ पर नामित होता है।



Mahendra's

FOR MORE DISCOUNT VISIT www.mahendras.org & USE PROMO CODE : **E15031**

